W6M5V7

7 सोच अपनी-अपनी

किसी विषय के पक्ष और विपक्ष में तर्क-वितर्क सहित अपने विचारों की अभिव्यक्ति ही 'वाद-विवाद' है। वाद-विवाद, मौखिक भावाभिव्यक्ति का अत्यंत प्रभावशाली तथा महत्त्वपूर्ण रूप है। वाद-विवाद में कोई एक विषय निर्धारित कर लिया जाता है। कुछ विद्यार्थी उस विषय के पक्ष में तथा कुछ विपक्ष में अपने-अपने तर्क इकट्ठे करके कार्यक्रम के दिन श्रोताओं के सामने प्रस्तुत करते हैं। एक वक्ता पक्ष में अपने विचार रखता है, तो दूसरा वक्ता विपक्ष में। इस प्रकार वक्ताओं को अपनी बात की पुष्टि तथआ विपक्षी के कथन के खंडन का अवसर मिलता है।

- नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। फिर उन पर आधारित प्रश्नों पर कक्षा में वाद-विवाद करवाइए :

(1) दोनों चित्रों में क्या अंतर है ?

(2) गाँव तथा नगर के जीवन में क्या अंतर है और तुम्हें कौन-सा रुचिकर लगता है ? क्यों ?

(3) क्या तालाब का जल पीने के लिए योग्य है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

- **नीचे दिए हुए मुद्दों के आधार पर ''विज्ञान वरदान या अभिशाप'' इस विषय के एक पक्ष पर अपने विचार कारण सहित प्रस्तुत कीजिए।**

(प्रदूषण, बिजली, अंतरिक्ष की खोज, डॉक्टरी सुविधा, दूरभाष, कम्प्यूटर, परमाणु, बम, पिस्तौल, यातायात, ग्लोबल वॉर्मिंग)

- कौन शक्तिशाली है 'कलम या तलवार', अपने विचार कारण सहित बताइए।
- दी गई सामग्री पढ़िए और उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बहुत दूर जन्म ले रहा है धरती जैसा ग्रह

नासा की दूरबीन ने दिखाई पृथ्वी के जन्म जैसी तस्वीरें, 424 प्रकाश वर्ष दूर है नया ग्रह

शिकागो (एएफपी)। हमारी पृथ्वी से 424 प्रकाश वर्ष दूर गर्म गर्दो-गुबार के बीच धरती जैसा एक ग्रह आकार ग्रहण कर रहा है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक एक करोड़ से 1.6 करोड़ वर्ष की उम्र वाले इस ग्रह का सौरमंडल अभी मुश्किल से किशोरावस्था में है। लेकिन जॉन हॉपकिन्स युनिवर्सिटी की एप्लाइड फिजिक्स प्रयोगशाला के मुखिया कैरी सिस्से के मुताबिक यह पृथ्वी जैसे ग्रह के जन्म लेने की बिल्कुल सही अवस्था है।

इस सौरमंडल के दो तारों में से एक के इर्दगिर्द धूल की गहरी रिंग बन गई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह रिंग सौरमंडल के 'बसने योग्य' क्षेत्र में जमा हो रही है और एक दिन इस जगह पर धरती जैसा मिट्टी-पत्थर से बना ग्रह जन्म लेगा, जिसमें पानी भी मौजूद होगा। सिस्से कहते हैं कि सूर्य जैसे तारे के चारों ओर धूल की ऐसी पट्टियों का जन्म लेना बहुत दुर्लभ घटना है और इसके बाहर की ओर बर्फीली बेल्ट से यह संभावना बनती है कि एक दिन इस ग्रह में पानी भी मौजूद होगा। उन्होंने कहा कि ग्रह का रूप ले रही धूल उन्हीं पदार्थों से बनी है जिनसे हमारी पृथ्वी के क्रस्ट व कोर का निर्माण हुआ है। सिस्से के अनुसार इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि एक दिन वहां धरती जैसा जीवन भी पनपे। उन्होंने कहा कि यह धरती के जन्म की घटना को दोबारा देखने जैसा अनुभव है।

इस दुर्लभ ब्रह्मांडीय घटना की तस्वीरें नासा के स्पिट्जर स्पेस टेलिस्कोप ने उतारी हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन दृश्यों को धरती तक टेलिस्कोप तक पहुंचने में 424 वर्ष लग गए लेकिन एक नए ग्रह के जीवन की तुलना में यह पलक झपकने जैसा है। उन्होंने बताया कि इस ग्रह को हमारी पृथ्वी जैसा रूप ग्रहण करने में अभी और 10 करोड़ साल लग सकते हैं।

साभार : हिंदुस्तान, 5 अक्टूबर, 2007

प्रश्न :

(1) अंतरिक्ष की किस घटना से वैज्ञानिक उत्साहित हैं ?

_____

_____

(2) पृथ्वी जैसा ग्रह बनने के लिए अंतरिक्ष में किस प्रकार की स्थिति होना आवश्यक है ?

_____

_____

(3) रेखा खींचकर सही जोड़े मिलाइए :

४२४ प्रकाश वर्ष	नासा का टेलिस्कोप
१.६ करोड़ वर्ष	पृथ्वी से नए ग्रह की दूरी
१० करोड़ वर्ष	वैज्ञानिक
स्पिट्जर स्पेस	पूर्ण ग्रह बनने में लगनेवाला समय
कैरी सिस्से	नए ग्रह की उम्र

K2Q2T5

स्वाध्याय

1. उदाहरण के आधार पर उपसर्ग लगाकर शब्द पुनः लिखिए :

(वि, प्र, अ, दुर्, अध्, निर्, गैर)

भिन्न – विभिन्न

जीव – _____

देश – _____

बल – _____

पका – _____

समझ – _____

गम – _____

सुविधा – _____

योग – _____

वांछित – _____

2. उदाहरण के आधार पर प्रत्यय लगाकर शब्द पुनः लिखिए :

(ई, ता, इत, इक)

उदाहरण : नियम + इत = नियमित

विदेश – _____

चंचल – _____

प्रकृति – _____

यंत्र – _____

पुत्र – _____

मानव – _____

लापरवाह – _____

हँस – _____

3. चित्र के आधार पर काव्य की रचना कीजिए :

घड़ी लगी दीवार पर

टिक-टिक कर तू चलती है,

_____

_____

4. देश की उन्नति, विकास एवं रक्षा के लिए आप क्या बनना चाहेंगे ''किसान या सैनिक''? कारण सहित अपने मित्र को पत्र द्वारा बताइए।

भाषा-सञ्जता

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और समझिए :**

(1) निधि बहुत काम करती है।

(2) रुद्र बहुत हँसता है।

(3) दिव्येश और चिराग बहुत घूमते हैं।

(4) जूही और रिया ने बहुत खरीदारी की।

(5) मुझे आज बहुत खुशी है।

(6) कल सविता बहुत हँसी थी।

ऊपर दिए वाक्य पढ़ने से पता चलता है कि रेखांकित शब्द **'बहुत'** में कोई परिवर्तन नहीं हुआ, लिंग, वचन, काल, बदलने पर भी उस शब्द में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

जिन पदों के रूप लिंग, वचन, काल या कारक के कारण नहीं बदलते अर्थात् जो सदैव एक से बने रहते हैं, उन्हें **'अव्यय'** (जिनमें व्यय न हो अर्थात् विकार या परिवर्तन न हो उसे अविकारी पद) कहा जाता है।

- **निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और उनमें प्रयुक्त गाढ़े शब्दों पर ध्यान दीजिए :**

- एक लड़का **धीरे-धीरे** चल रहा है।
- एक लड़की **धीरे-धीरे** चल रही है।
- कुछ लड़के **धीरे-धीरे** चल रहे हैं।
- बहुत-सी लड़कियाँ **धीरे-धीरे** चल रही हैं।
- मैं **धीरे-धीरे** चल रहा हूँ।
- हम **धीरे-धीरे** चलेंगे।

उपर्युक्त वाक्यों में प्रयुक्त 'धीरे-धीरे' शब्द ऐसा शब्द है, जिसका प्रयोग पुल्लिंग, एकवचन, एकवचन कर्ता (लड़का), स्त्रीलिंग, बहुवचन (लड़कियाँ) और अंतिम विधान में काल परिवर्तन हुआ है, फिर भी 'धीरे-धीरे' शब्द में कोई परिवर्तन नहीं होता। अत: धीरे-धीरे '**अव्यय**' है।

अव्यय शब्दों की सूची

और, तथा, अथवा, या, वाह ! अहा !, कल, अधिक, धीरे-धीरे, ऊपर

- **निम्नलिखित वाक्यों में से ऐसे पद ढूँढिए जो 'अव्यय' हैं :**

(1) उमंग और स्मित घर चले गए।

(2) तुम्हें अपने जन्मदिन पर कैमरा चाहिए या मोबाइल फोन ?

(3) वाह ! क्या कैच लिया है।

(4) दुर्योधन तथा कर्ण में गहरी मित्रता थी।

(5) वह तेज दौड़ा।

☞ **सोचिए :** आपने जिन शब्दों को अव्यय के रूप में चुना है, क्या वे अव्यय पद हैं? चर्चा कीजिए।

योग्यता-विस्तार

वाद-विवाद के लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक है:

- वक्ता को केवल अध्यक्ष को ही संबोधित करना चाहिए।
  (कार्यक्रम में किसी वरिष्ठ, सम्माननीय, अनुभवी व्यक्ति को अध्यक्ष बनाया जाता है।)
- वाद-विवाद में भाग लेते समय अशिष्ट शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए तथा किसी भी प्रतियोगी पर व्यक्तिगत रूप से आक्षेप आदि नहीं करना चाहिए।
- विरोधी के तर्कों का खंडन तथा अपने कथन की पुष्टि करते समय शिष्टाचार का पालन करना चाहिए।
- विषय का प्रतिपादन तार्किक, क्रमबद्ध तथा प्रभावशाली होना चाहिए।
- वाद-विवाद में प्रत्येक वक्ता को अपनी बात कहने के लिए प्राय: 3 से 5 मिनट तक का समय दिया जाता है, अत: निर्धारित समय-सीमा में ही अपनी बात समाप्त कर लेनी चाहिए।